हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर ... जो ... तामी...

पत्रावली इंतजार में रखवाई गई।

पत्रावली सांय 5:00 बजे पुन पेश की गई। वकील वादी व स्वयं वादी को बार-बार आवाज लगवाई गई। बार-बार आवाज लगवाने के उपरान्त भी ना तो वादी ना ही वादी अधिवक्ता के उपस्थित होने के कारण पत्रावली अदम पैरवी - अदम हाजरी मे खारिज की जाती है। पत्रावली बेतल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो। ~~[illegible]~~ अ०

निर्णय आज दिनांक 9/9/25 को सरे इजलास सुनाया गया।

[signature]